



दस्तक प्रभात प्रतिनिधि पटना। बीएड पाठ्यक्रम में एनसीसी, एनएसएस व राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के प्रावधानों को शामिल करने की बोशिशा तेज हो गयी है। साथ ही बोरोना महामारी से उत्पन्न स्थितियों में बीएड पाठ्यक्रम में बो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिशों के अनुरूप 40 प्रतिशत कम किया जाएगा कईसकी शुरूआत करते हुए पटना विश्वविद्यालय शिक्षा संकाय ने इस सन्दर्भ में अपनी सहमति कुलपति बो शीघ्र प्रेषित करने का फैसला किया है। पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ) आशुतोष कुमार की अध्यक्षता में संपन्न शिक्षा संकाय की आज वर्तु अल वैटक में पाठ्यक्रम नीतियों को व्याख्या देने पर भी सहमति चनी। वैटक में बीमेस ट्रेनिंग कॉलेज, पटना की प्राचार्या डॉ. मुनब्बर जहां, बीआर



बीएडकर विद्यार विश्वविद्यालय, मुजपक्करपुर के शिक्षा संकायाध्यक्ष डॉ. और खान, नालंदा कॉलेज शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. धूब कुमार, डॉ. गौरी ब्रह्मानंद दीचर्य ट्रेनिंग कॉलेज, दरभंगा के प्राचार्य डॉ. कुमार संजीव एवं रानी बीमेस कॉलेज, झारखण्ड के शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सचिन कुमार शामिल हुए। प्रो. आशुतोष कुमार ने कहा कि बीजीसी के दिशानिर्देशों के महेनजर एनसीसी को बीएड पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। यह एकेडमिक काउन्सिल में स्वीकृत है कि उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के महेनजर अधिकांश प्रावधानों को लागू किया जाएगा। वैटक में अन्य कई मुद्दों पर भी, जिनमें ऑनलाइन टीचिंग की समस्या और ऑनलाइन स्कूल इंटर्नशिप की सम्भावनाओं आदि पर विचार-विमर्श किया गया।

पीयू के बीएड पाठ्यक्रम में एनसीसी शामिल

(आज शिक्षा प्रतिनिधि)

पटना। पटना विश्वविद्यालय के बी. एड. पाठ्यक्रम में एनसीसी एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रावधानों को शामिल किया जायेगा। कोरोना से उत्पन्न स्थिति में बी. एड. पाठ्यक्रम का भार घटाया जायेगा।

यह निर्णय पटना विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय की वर्तु अल वैटक में लिया गया। वैटक की अध्यक्षता पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आशुतोष कुमार ने की। उन्होंने कहा कि बीजीसी के दिशा-निर्देशों के महेनजर एनसीसी को बीएड पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। यह एकेडमिक काउन्सिल से पास है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रावधानों के महेनजर इस नीति के अधिकांश प्रावधानों को लागू किया जायेगा।



वैटक में ऑनलाइन टीचिंग और ऑनलाइन स्कूल इंटर्नशिप सहित कई मुद्दों पर विमर्श हुआ।

वैटक में स्थानीय बीमेस ट्रेनिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. मोनवर जहां, बीआरए विहार विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय अध्यक्ष डॉ. ए. आर खान, डॉ. गौरी ब्रह्मानंद टीचस ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. कुमार संजीव, नालंदा कॉलेज के शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राचार्य डॉ. सचिन कुमार एवं रांची बीमेस

कॉलेज के शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सचिन कुमार शामिल हुए।

नव
पट

विद्या
जनर
एम्प
शिति
पांच
अति
एम्
ब्यरि
सकं
पांडे
कहा
किसं
से-व
लिए
अवर
पूर्ण
बक्स
एम्
अन्य

पीयूः बीएड पाठ्यक्रम में एनसीसी को शामिल किया जाएगा

पटना। बीएड पाठ्यक्रम में एनसीसी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों को शामिल किया जाएगा। साथ ही कोरोना महामारी से उत्पन्न स्थितियों में बीएड पाठ्यक्रम का सोड कम किया जाएगा। यह निर्णय पटना विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय की वर्तुअल बैठक में रविवार की तिथि गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आशुद्ध कुमार ने की।

उन्होंने कहा कि बूजीसी के दिशा-निर्देशों के भावेन्जर एनसीसी को बीएड पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। अभी यह एकाडमिक काउंसिल से पास है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पूरे देश में लागू है। इसी के प्रावधानों के भावेन्जर नीति अधिकांश प्रावधानों को लागू किया जाएगा। बैठक में अन्य कई एजेंडे पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें ऑनलाइन टीचिंग और

- पटना विश्वविद्यालय के लिया संकाय की वर्तुअल बैठक में शामिल
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों को भी शामिल किया जाएगा

ऑनलाइन स्कूल ट्रैनिंग आदि मुद्रे शामिल थे।

इस बर्चुअल बैठक में पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आशुद्ध कुमार, वीरेंद्र ट्रेनिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. घोनवर जाहा, वीआरए बिहार विधि के शिक्षा संकाय अध्यक्ष ही, पृष्ठर खान, डॉ. गीरी ब्रह्मानंद टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य ही, कुमार संजीव, नालंदा कॉलेज के शिक्षाराज्य विभाग के विद्वान डॉ. धूब कुमार एवं राजी वीरेंद्र कॉलेज के शिक्षाशाखा विभाग के सहायक प्राचार्यक डॉ. सचिन कुमार शामिल हुए।

बीएड में होगी एनसीसी, एनएसएस की पढ़ाई

संगठनाल | एनकेशनल न्यूज़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 प्रावधानों को शामिल करने की कलाकार

पटना। बीएड पाठ्यक्रम में एनसीसी, एनएसएस व राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों को शामिल करने की कोशिश रोज़ लो गयी है।

साथ ही कोरोना महामारी से उत्पन्न स्थितियों ने बीएड पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिशों के अनुरूप 40 प्रतिशत कम किया जाएगा वहांसक्ति शुरूआत करने हुए पटना विश्वविद्यालय शिक्षा संकाय ने इस राज्यक्रम में अपनी साफगति कूलपति की शीघ्र प्रेरित करने का फैसला किया है।

पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ) आशुद्ध कुमार वी अध्यक्षता में संघर्ष शिक्षा संकाय की आज वर्तुअल बैठक में पाठ्येतर अतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी सहनति बली।

बैठक में वीरेंद्र ट्रेनिंग कॉलेज, पटना की प्राचार्य डॉ. मुजव्वद जाहा, वीआर अंगेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजाफ़ानगर के शिक्षा संकायालय डॉ. ए आर खान, नालंदा कॉलेज शिक्षाशाखा विभागालय डॉ. धूब कुमार, डॉ. गीरी ब्रह्मानंद टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, दरभंगा के प्राचार्य डॉ. कुमार सजीव एवं गीरा वीरेंद्र कॉलेज, झारखण्ड के शिक्षाशाखा विभाग के राहायक प्राचार्यक डॉ. सचिन कुमार शामिल हुए।

प्रो. आशुद्ध कुमार ने कहा कि यूजीसी के विशिष्टियों के अद्यतन एवं एनसीसी की बीएड



पाठ्यक्रम ने शामिल किया जा रहा है कल्याण एकेडमिक कौलिल से स्वीकृत है करन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के नदेनजर अधिकांश प्रावधानों को लागू किया जाएगा एवं डॉ. ए आर खान में कहा कि वह शिक्षा नीति और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अनुशासितों के आलोक में पाठ्यक्रम को शोधक और उपयोगी बनाने की कोशिश की जाएगी।

बैठक में आव्याप्त कई शुद्धि पर भी, निजों ऑनलाइन टीचिंग की समस्या और ऑनलाइन स्कूल इंटरव्हिएप की सम्भालनाओं आदि पर विचार-विचार किया गया।